॥ ओ३म् ॥

गर्भाधान विधि

जिस में

धातु और उस के गुण, स्त्री-प्रसंग कोक शास्त्र से
स्त्री पुरुष मीमांसा, सीमाबद्ध सन्तानोत्पत्ति की
विधि-उत्तम सन्तान उत्पन्न करने के लिये
उत्तम एवं सरल उपाय तथा गर्भधारण
गर्भ परीक्षा प्रसव-विधि प्रसूत की
रक्षा प्रसूत और बालकके रोगों की
परीक्षा और सब प्रकार की
चिकित्सा आदि का वर्णन
किया गया है।

जिस पर—

गुण ग्राहकता की दृष्टि से वै. वा. श्री. राजा नरायणसिंह
साहब ने २५) रु० पारितोषिक दिये।

लेखक वा प्रकाशक—

चिम्मनलाल वैश्य, तिलहर

सोलहवीं वार ११००] १९२८ ई० [मूल्य ।) आने